RSCF Development - Workshop 1
08-09 & 11-12 Oct 2021

क्या होगा पहली कार्यशाला में ?

किसी भी पाठ्यचर्या के विकास की प्रक्रिया शुरू होती है अपने विद्यार्थी, व उसकी वर्तमान स्थिति और आवश्यकताओं को समझने से। हम यह देखते हैं कि हमारी चाही गई पाठ्यचर्या से गुजरने के बाद इस विद्यार्थी में कौन से गुण पैदा होंगे - यानी हमारा विजन क्या है। लेकिन अगर पाठ्यचर्या को व्यवहारिक बनाना है तो यह समझना भी जरूरी है कि किन बाधाओं का सामना किया जा रहा है। उन से जूझ पाने के लिए किस तरह के कदम उठाने की जरूरत है, और इसकी वजह से हमारी पाठ्यचर्या में क्या क्या शामिल किया जाना चाहिए।

तो इस पहली कार्यशाला में हम शुरुआत करेंगे 'सीखने की प्रक्रिया' को समझने से। क्या है यह अनुभव-आधारित सीखने की प्रक्रिया जिस पर नई शिक्षा नीति इतना बल देती है? इसके चलते किस तरह की सीखने-सिखाने की प्रक्रिया हमारे कक्षाओं और स्कूलों में दिखनी चाहिए? और इस सब का प्रभाव हमारी चारों पाठ्यचर्याओं पर किस तरह पड़ेगा?

08 अक्टूबर 21, सत्र 1, 11.00 – 13.00 बजे
पहले सत्र में कार्यशाला का परिचय, हम सब की भूमिकाओं, काम करने के तरीके पर बात होगी। इसी के साथ हम अपने बचपन की कुछ यादों के सहारे सीखने-सिखाने की प्रक्रिया पर काम शुरू करेंगे।

08 अक्टूबर 21, सत्र 2, 14.30 - 16.30 बजे
दूसरे सत्र में हम अलग-अलग प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से शिक्षण विधि में और गहराई से जाएंगे, यह देखेंगे कि अलग-अलग स्तर के विद्यार्थियों के लिए यह क्या रूप ले सकती है, इसमें शिक्षक और विद्यार्थी की क्या भूमिका होती है, सामग्री- कक्षा प्रबंधन- मूल्यांकन पर भी बात हो सकती है।

09 अक्टूबर 21, सत्र 3, 11.00 - 13.00 बजे
अभी तक हुई चर्चा के आधार पर हम अलग-अलग SCF के बारे में क्या कह सकेंगे?
इसी तरह प्रमुख विषयों और फोकस ग्रुप के लिए कौन-कौन सी प्रमुख बातें उभर कर आईं?
इन प्रश्नों पर आपके विचारों के आधार पर एक समझ बनाई जाएगी।

09 अक्टूबर 21, सत्र 4, 14.30 - 16.30 बजे
अब हम तैयार हैं अपना विजन बनाने के लिए, जो हम इन तीन चरणों में करेंगे -

- शिक्षार्थी के बारे में विज़न उभारना
- बाधाएं और उनके निहितार्थ (implications)
- कक्षा और प्रणाली का विजन

11 अक्टूबर 21, सत्र 5, 11.00 - 13.00 बजे

इस सत्र के बाद हम दस अलग-अलग फोकस ग्रुप में बैठकर काम करने जा रहे हैं। इसकी तैयारी के लिए हम आपके साथ उभरे हुए विजन के आधार पर आपके एससीएफ और FG पर होने वाले प्रभाव पर चर्चा करेंगे।

- FG और प्रत्येक SCF के लिए विज़न के निहितार्थ (implications)
- एफजी में काम करने पर इग्नस पहल द्वारा विस्तृत ब्रीफिंग

11 अक्टूबर 21, सत्र 6, 14.30 - 16.30 बजे

यह सत्र पार्टनर संस्थाओं के समन्वयकों के साथ 10 अलग-अलग FG में किया जाएगा।

- एफजी चर्चा शुरू करना, विजनिंग अभ्यास के implications
- प्रत्येक समूह के जमीनी नियमों का विकास
- उठाए जाने वाले प्रमुख कदमों की पहचान

12 अक्टूबर 21, सत्र 8, 14.30 - 16.30 बजे

पार्टनर संस्थाओं के समन्वयकों के साथ 10 अलग-अलग FG में

- प्रक्रियाओं पर सहमति
- भूमिकाओं और जिम्मेदारियों का वितरण
- एक समयरेखा और योजना विकसित करना

12 अक्टूबर 21, सत्र 9, 11.00 - 13.00 बजे

- FG अपनी योजनाओं को साझा करते हैं
- प्रश्नोत्तर, स्पष्टीकरण
- अग्रिम कार्य योजना
- अगली कार्यशालाओं से पहले की कार्रवाई

इस कार्यशाला के बाद आप अपने अपने फोकस ग्रुप में मिलते रहेंगे। दो या तीन हफ्तों में हम दोबारा अगली कार्यशाला के लिए मिलेंगे। तब तक किए जाने वाले कार्यों पर आखरी दिन चर्चा की जाएगी।

इस कार्यशाला की तैयारी के लिए -

- अपने आपको एक नोटबुक के साथ लैस कर लें क्योंकि बहुत कुछ लिखने की जरूरत पड़ सकती है।
- अपने मन में उठ रहे प्रश्नों को एक जगह लिख ले लें, और सही समय पर चैट के माध्यम से उठाएं।

- कार्यशाला के प्रमुख विषयों पर अपनी सोच बनाने की शुरुआत करें - प्रक्रिया में आपको कोई भी बनी बनाई सोच पर उसी नहीं जाने वाली है, बल्कि उसका निर्माण आप के योगदान के साथ ही हो पाएगा।